गुनाह से बचने वाले नवजवान के बदन से खुश्बु ।

शैख मुहम्मद इशाक मुलतानी.

नोट: आप से दरखास्त है की इसे भाषा या ग्राम्मर का अदब ना समझे.

बिस्मिल्लाहिर्रहमानिर्रहिम

एक नवजवान के बदन से हमेशा मुशक व अबर की खुश्बु महकती रहती थी, तो उससे किसी ने पूछा कि आप हमेशा इतनी अच्छी खुश्बु लगा कर रखते हे इसमे कितने पेसे खर्च करते हो? तो इस पर उस नवजवान ने कहा मेने ज़िन्दगी मे कोई खुश्बु नही खरीदी, और ना ही कोई खुश्बु लगाई हे, तो पूछने वाले ने कहा फिर ये खुश्बु कहा से आती हे, तो नवजवान ने कहा कि ये एक राज हे जो बतलाने का नही, पूछने वाले ने कहा आप बतला दीजये, शायद इससे हम को भी फायदा हो.

नवजवान ने अपना वाकिया सुनाया कि मेरे वालीद एक ताजिर थे, घरेलु समान बेचा करते थे, मे उनके साथ दुकान पर बैठा हुवा था, एक बूढी औरत ने आकर कुछ समान खरीदा और मेरे वालीद से कहा कि आप लडके को मेरे साथ भेज दिज्ये, ताकी मे इसके साथ समान की किमत भेज दु, मे उस बूढी औरत के साथ गया तो एक खुबसुरत घर मे पहूचा,

तो उसमे तख्त पर एक खुबसुरत लडकी बैठी हुई थी, वो मुझ को देखते ही मेरी तरफ आने लगी, मेने उसकी खवाहीश पूरी करने से इन्कार किया तो उसने मुझे अपनी तरफ खीचा, फौरन अल्लाह ने मेरे दिल मे एक बात डाली, मेने कहा मुझे इस्तेंजा का ताकाजा हे, उसने फौरन अपने नौकरो से कहा कि जल्दी से टोइलेट साफ कर दो. मेने टोइलेट मे दाखिल हो कर नापाकी से अपने बदन को नापाक कर लिया और इसी हालत मे बाहर आ-गया, जब मुझे इस हालत मे देखा तो कहा कि इसे फौरन यहा से बाहर करो, ये पागल मालुम होता हे.

मेरे पास एक दीरहम था, मेने उससे एक साबुन खरीद कर एक नहर मे जाकर गुसल किया, और कपडे भी धो लिये, मेने ये राज किसी को नही बतलाया. जब रात को सोया तो खवाब मे देखा कि एक फरिश्ते ने आकर मुझ से कहा कि अल्लाह की तरफ से तुम को जन्नत की खुशखबरी हे, मुसीबत से बचने के लिये जो तदबीर तुमने इखतीयार की थी उस्के बदले मे तुमको ये खुश्बु पेश की जा रही हे. चुनांचे मेरे पूरे बदन पर वो खुश्बु लगाई गई हे जो मेरे पूरे बदन और कपडो से महेकती रहती हे, जो आज तक लोग महसूस करते हे.

हवाला: एक हज़ार अनमोल मोती उर्दु से मज़मून का खुलासा लिप्यान्तरण किया गया हे.